बृहस्पतिवार
30 मई 2024

पृष्ठ 4

गर्मियों में खाएं ये फल, पेट और...

पृष्ठ 5

जुबली टॉकीज में अपने किरदार के...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 119
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जब तक भारत का राजकाज अपनी भाषा में नहीं चलेगा तब तक हम यह नहीं कह सकते कि देश में स्वराज है।

– मोरारजी देसाई

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भारतीय संस्कृति वैश्विक समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण स्थान रखती है: उपराष्ट्रपति

संवाददाता

नैनीताल। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड ने पत्नी सहित श्री कैंची धाम पहुंच बाबा श्री नीब करौरी महाराज के दर्शन कर कहा कि भारतीय संस्कृति वैश्विक समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

आज यहां उपराष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ और डॉ सुदेश धनखड़ ने उत्तराखंड के नैनीताल जिले में श्री कैंची धाम में परम बाबा श्री नीब करौरी महाराज दर्शन किए और आश्रमवासियों के साथ समय व्यतीत किया। दर्शन के उपरांत उन्होने कहा की इस पवित्र जगह पर आकर मन में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना में बढ़ोतरी हुई है। कैंची धाम में 'महाराज जी' के दर्शन कर धनखड़ ने

❑उपराष्ट्रपति ने श्री कैंची धाम में बाबा श्री नीब करौरी महाराज के दर्शन किए

कहा की इस जगह आकर उन्हें धार्मिकता, उदात्तता और आध्यात्मिकता के संगम का आभास हुआ है। उन्होंने जोर देते हुए कहा की ये वो जगह है जहां ऐसे महापुरुष हुए हैं जिनके द्वारा

निर्धारित उच्चतम सिद्धांत सभी के लिए अनुकरणीय हैं। भारत की उत्कृष्ट सांस्कृतिक विरासत की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की 5000 साल की सांस्कृतिक विरासत दुनिया में बेमिसाल है और आज की वैश्विक समस्याओं के समाधान में भारतीय संस्कृति एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

इससे पूर्व हल्द्वानी आगमन पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्ट जनरल (रि) गुरमीत सिंह एवं उत्तरखंड सरकार में मंत्री, गणेश जोशी ने उनका स्वागत किया।

धामी का दावा: देश में फिर बनेगी मोदी की सरकार

विशेष संवाददाता

शिमला। लोकसभा चुनाव अब अंतिम चरण में पहुंच गया है, सातवें और अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार के आखिरी दिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विजय संकल्प यात्रा निकालकर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव का प्रचार किया और पत्रकार वार्ता कर कहा कि देश में एक बार फिर मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी।

धामी ने इस दौरान कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस एक बार फिर तुष्टिकरण की राजनीति करने पर उतर आई है। उन्होंने कहा कि वह अन्य सभी वर्गों के अधिकार छीन कर मुसलमानों को

❑कांग्रेस पर लगाया तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप

देना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्तियों की लूट के लिए वह फिर सत्ता में आने के सपने देख रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी राजनीति के एक असफल छात्र हैं लेकिन मेरी समझ में नहीं आता है कि कांग्रेस उन्हें हर बार परीक्षा में बैठा देती है और वह हर बार फेल हो जाते हैं। इस बार भी वह फेल होने वाले हैं और 4 जून को चुनाव परिणाम आने के बाद वह फिर विदेश भाग जाएंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी सेवा और कर्तव्य तथा राष्ट्रीय सेवा के भाव से राजनीति करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और अखिलेश

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

शशि थरूर के पर्सनल असिस्टेंट गोल्ड स्मगलिंग के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और केरल की तिरुवनंतपुरम सीट से मौजूदा सांसद शशि थरूर के पर्सनल असिस्टेंट शिव कुमार को कस्टम विभाग ने पकड़ा है। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर ये कार्रवाई की गई है। शिव कुमार अपने किसी

परिचित से सोने का हैंडओवर ले रहे थे, जो कि विदेश दौरे से लौटा था। इसी दौरान कस्टम विभाग ने कार्रवाई की तो उन्हें पहले हिरासत में लिया गया और फिर गिरफ्तार कर लिया गया। बताया गया कि सोने की कीमत करीब 55 लाख है। सोने की तस्करी मामले में अपने पर्सनल असिस्टेंट शिव कुमार के पकड़े जाने को लेकर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी। शशि थरूर ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मैं चुनाव प्रचार के लिए धर्मशाला में था तो मुझे अपने स्टाफ के एक पूर्व सदस्य से जुड़ी एक घटना के बारे में सुनकर झटका लगा। ये शख्स मुझे एयरपोर्ट फैसिलिटेशन असिस्टेंट को लेकर पार्ट टाइम सेवा दे रहे थे। वह 72 वर्षीय सेवानिवृत्त व्यक्ति हैं और उन्हें डायलिसिस होने के कारण पार्ट टाइम पर रखा गया था। उन्होंने आगे कहा कि कानून को अपना काम करना चाहिए।

अयोध्या में राम जन्मस्थान के लिए पहली लड़ाई सिखों ने ही लड़ी: पीएम मोदी

होशियारपुर । लोकसभा चुनाव-2024 के लिए सातवें और आखिरी चरण की वोटिंग 1 जून को होगी। आज प्रचार का शोर थम जाएगा। पंजाब के होशियारपुर में भी इस चरण में मतदान होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस चुनाव में अपनी आखिरी रैली यहीं पर की। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब हमारे भारत की पहचान है, ये हमारे गुरुओं की पवित्र भूमि है। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि अयोध्या में राम जन्मस्थान के लिए पहली लड़ाई सिखों ने ही लड़ी।

पीएम ने कहा, आज देश में आकांक्षाएं नई हैं, आज देश में उम्मीदें नई हैं, आज देश में आत्मविश्वास नया

है। दशकों बाद ऐसा समय आया है, पूर्ण बहुमत वाली केंद्र सरकार ह्यैट्रिक लगाने जा रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह्ह है 'विकसित भारत' का सपना। आज हर भारतीय 'विकसित भारत' के सपने के साथ एघ्करूप हो गया है और इसलिए हर देशवासी हमें आशीर्वाद दे रहा है। उन्होंने कहा, जनता जर्नाधन ने मोदी सरकार बनाने का फैसला कर लिया है। मोदी सरकार हैट्रिक लगाने जा रही है। 21वीं सदी भारत की सदी होगी।प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को दमदार सरकार चाहिए। दमदार सरकार जो दुश्मन के छक्के छुड़ा दे। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने रोडमेप तैयार कर लिया है। अगले 5 साल में कौन से बड़े निर्णय लिए जाएंगे, वो भी तय कर लिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं काशी का सांसद हूं। आप जब भी काशी आए तो आप मेरे मेहमान हैं और मैं मेहमानवाजी में कोई कमी नहीं रखता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि दलितों-पिछड़ों का आरक्षण कोई नहीं ले सकेगा। आरक्षण को लेकर इंडिया गठबंधन के इरादे खतरनाक हैं। वे दलितों और पिछड़ों का आरक्षण छिनकर सिर्फ मुसलमानों को देना चाहते हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

निरर्थक मुद्दों वाली राजनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कह दिया कि महात्मा गांधी को गांधी फिल्म बनने से पहले कोई नहीं जानता था। चुनावी चला चली कि इस बेला में प्रधानमंत्री के इस बयान को लेकर लोगों का सवाल उठाया जाना स्वाभाविक ही है। लेकिन इस पर किसी को न हैरान होने की जरूरत है और न परेशान होने की। बीते एक महीने के अंदर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दर्जनों ऐसी बातें अपने चुनावी भाषणों व बयानों में कहीं जा चुकी है। चिकन मटन, मंगलसूत्र और भैंस चोरी से लेकर अपने आप को महा अवतार बताये जाने तक दर्जनों ऐसे बयान अब तक उनके द्वारा दिए जा चुके हैं जिन्हें सुनकर लोग सिर्फ हंस सकते हैं। हां आप यह जरूर सोच सकते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी को यह हो क्या गया है वह क्यों इस तरह के बिना सर पैर वाले मुद्दे उठा रहे हैं सच यह है कि इस चुनाव के शुरुआती दौर से ही वह देश की असल समस्याओं और मुद्दों पर बात करने से बचते दिख रहे हैं। कांग्रेस द्वारा अपने चुनावी घोषणा पत्र में 25 गारंटीयों के साथ जिस तरह महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक समानता के साथ किसानों और महिलाओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं की घोषणाएं की गई है उसमें मोदी की गारंटी बेअसर होकर रह गई। पहले मोदी ने इस न्याय पत्र को मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र बता कर खारिज करने की कोशिश की गई और हिंदू-मुस्लिम, एससी-एसटी व ओबीसी आरक्षण पर हुंकार भरने से भी बात नहीं बनी तो उन्होंने ऐसे हास्यापद बयान देने शुरू कर दिए जिनसे असल मुद्दों से आम आदमी का ध्यान भटकाया जा सके। जो लोग प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए बयान से यह समझ रहे हैं कि मोदी को इतिहास का ज्ञान नहीं है उन्हें प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात के उस एपिसोड को जरूर सुनना चाहिए जिसमें वह कह रहे हैं कि गांधी के विचारों ने पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ाया। दक्षिण अफ्रीका के गांधी कहे जाने वाले नेल्सन मंडेला जब 28 साल जेल में रहने के बाद बाहर आये थे तो उन्होंने कहा था कि महात्मा गांधी मानवता के एक पवित्र पुजारी थे। आज मोदी कह रहे हैं कि मार्टिन किंग लूथर और मंडेला को दुनिया जानती है लेकिन गांधी फिल्म आने से पहले गांधी को कोई नहीं जानता था। किंग और नेल्सन मंडेला जिन गांधी को अपना आदर्श और मानवता की प्रतिमूर्ति मानते थे जिन गांधी की विश्व के 100 से भी अधिक देशों में प्रतिमाएं लगी हुई है और दुनिया भर के लोग उनके सत्य अहिंसा के सिद्धांतों के लिए उनके सामने सिर नवाते हैं प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं उन्हें गांधी फिल्म से पहले कोई जानता नहीं था। मोदी ने जो कहा वह भले ही हैरान करने वाली बात न हो लेकिन उनका इंटरव्यू करने वाले पत्रकारों द्वारा पीएम से इसके बाद यह सवाल न किया जाना कि वह किस आधार पर ऐसी बात कह रहे हैं? जरूर हैरान करने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी जिस गरिमामय पद पर आसीन होते हुए एक चुनाव जीतने के लिए जिस तरह के बिना सर पैर वाले मुद्दे तैयार कर रहे हैं आने वाले समय में इतिहास उन्हें किस रूप में याद करेगा वह अलग बात है लेकिन वर्तमान दौर की राजनीति व नेताओं के साथ इन मीडिया कर्मियों और पत्रकारिता को किस रूप में देखा जाएगा? ज्यादा अहम सवाल है। 2024 के चुनाव में अगर मोदी व उनकी पार्टी चुनाव जीत जाती है तो यह भी इतिहास में दर्ज होगा कि देश की जनता को अहम मुद्दों से ज्यादा बेवजह की बकवास ही उनके लिए राजनीति है।

मुख्यमंत्री ने दी हिन्दी पत्रकारिता दिवस की शुभकामनाये

देहरादून (कासं)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर सभी मीडिया प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दी हैं।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता कि देश के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, एवं सांस्कृतिक पहलुओं के साथ आम जन की समस्याओं के समाधान में महत्पूर्ण भूमिका रही है।

उन्होने कहा कि हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं का समाज में जन जागरूकता के साथ पत्रकारिता की समृद्ध परम्परा के माध्यम से देश व समाज को आगे बढाने में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में भी हिन्दी पत्रकारिता का स्वर्णिम इतिहास रहा है।

सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने भी हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर सभी मीडिया प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दी हैं।

यं त्वमग्ने समदहस्तमु निर्वापया पुनः।
कियाम्ब्वत्र रोहतु पाकदूर्वा व्यल्कशा।।
(ऋग्वेद १०-१६-१३)

हे दिव्य अग्नि ! गर्मी जिस प्रदेश को उजाड़ देती है, मरुस्थल कर देती है। उस प्रदेश को भी तू हरा भरा कर, पेड़ पौधे, घास आदि से फिर से वह हरा भरा हो। वहां जल भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो।

बालिकाओं ने जाना थामरी कुंड का इतिहास और वानस्पति

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। जोहार क्लब के तत्वाधान में राजकीय बालिका इंटर कालेज नमजला की 35 बालिकाओं को शैक्षिक भ्रमण पर थामरी कुंड के साथ प्रकृति के साथ दीदार कराया गया। बालिकाओं ने इस क्षेत्र की वनस्पति के साथ थामरी कुंड का इतिहास भी जाना।

जोहार क्लब के अध्यक्ष केदार सिंह मर्तोलिया द्वारा बालिकाओं को विभिन्न प्रकार की वनस्पतियां औषधियो एवं प्राकृतिक धरोहरों के बारे में जानकारी दी गई।

इसके बाद बालिकाओं को ईको पार्क मैं डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। जिसमें बालिकाओं को विश्व भारत एवं उत्तराखंड गौरी घाटियों में विभिन्न प्रकार की पक्षियों की प्रजातियों के बारे में जानकारी दी गई।

बालिकाओं से रोचक पूर्ण प्रश्न किए गए बालिकाओं को अपने आसपास की महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया गया।

इसके बाद बालिकाओं को पं. नैनसिंह सर्वेयर पर्वतारोही संस्थान मुनस्यारी ले जाया गया जहां बालिकाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यो के बारे में जानकारी दी गई। इस क्षेत्र में बालिकाएं कैसे अपना कैरियर बना सकती है, इसके बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

यहां पर जोहार क्लब की टीम द्वारा बालिकाओं एवं अध्यापिकाओं के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। जिससे वसुधैव कुटुंबकम् की भावना परिलक्षित होती है।

प्रधानाचार्य सुश्री नीमा आर्या द्वारा जोहार क्लब की टीम का आभार व्यक्त किया गया। बालिकाओं को कल के कर्णधार के रूप में जानकारी दी गई।

इस मौके पर बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य सुश्री नीमा आर्या, शिक्षिका श्रीमती हिमांशी मेहता, श्रीमती दीपा महरा , कुंदन राम जोहार क्लब के अध्यक्ष श्री केदार मर्तोलिया, उनके टीम के सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया उपस्थित रहे।

डेढ किलो गांजे के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने डेढ किलो गांजे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने मानव चेतना केन्द्र के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह स्कूटी को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने स्कूटी की डिग्गी से एक किलो 620 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम राम अवतार पुत्र महेश्वर सैनी निवासी गुज्जर प्लाट गुमानीवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बैंक का क्रेडिट कार्ड अधिकारी बनकर ठगे 98 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। बैंक का क्रेडिट कार्ड अधिकारी बनकर 98 हजार रूपये की ठगी करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किशन पुर कैनाल रोड निवासी संध्या मिश्रा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 21 मार्च 2024 को उसके मोबाईल नम्बर पर एक अज्ञात मोबाईल नम्बर से कॉल प्राप्त हुयी थी, जिसने अपना परिचय देते हुए बताया था कि वो एसबीआई बैंक के केडिट कार्ड विभाग से बोल रहा है और कहा कि उसको अपने कार्ड का वार्षिक बिल देना होगा नही तो उसका कार्ड बन्द हो जायेगा, उसके बाद उसके द्वारा केडिट कार्ड के वार्षिक बिल में सुधार करने के लिए उसको फोन पर कुछ निर्देश दिये गये, जिनका पालन करने पर उसके क्रेडिट कार्ड से 21 मार्च 2024 को दो बार में कुल 98400 रूपये कट गये। इस संबंध में एसबीआई बैंक में जाकर क्रेडिट कार्ड से जानकारी प्राप्त की गई तो पता चला कि मोबाईल नम्बर एसबीआई के केडिट कार्ड विभाग से संबंधित नहीं है और वार्षिक बिल जमा करने के संबंध में किसी भी कस्टमर को कॉल नहीं करते है। तब उसको एहसास हुआ कि साईबर ठग ने स्वयं को एसबीआई केडिट कार्ड का कर्मचारी बताकर उसके साथ 98400 रूपये की साईबर ठगी की गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पति के खिलाफ मारपीट करने का मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। महिला ने पति के खिलाफ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार माल रोड निवासी स्मृति हरी ने मसूरी कोतवाली में अपने पति विकास हरी के खिलाफ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विवाहिता की मौत पर पति सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। विवाहिता की मौत पर पति सहित चार लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संगम विहार चन्द्रबनी निवासी ललित कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बहन पूजा उर्फ ललतेश की शादी लगभग 16 वर्ष पूर्व धर्मेन्द्र शर्मा पुत्र सर्वेश शर्मा निवासी यमुनोत्री एन्क्लेव चन्द्रबणी देहरादून के साथ हुई थी। श्रीमती पूजा के एक पुत्र मनी जो हाल में लगभग 14 वर्ष का है। उसके पास है। शादी के बाद से धर्मेन्द्र शर्मा शराब पीकर पूजा के साथ मारपीट करता था तथा पूजा को अपने मायके से पैसे लाकर देने का दबाव बनाता था। अक्सर वह अपनी हैसियत के अनुसार अपनी बहन पूजा तथा धर्मेन्द्र शर्मा को पैसे देता रहता था। 15 मई 2024 को रात्रि में धर्मेन्द्र ने उसको फोन किया कि पूजा ने फांसी लगा ली है। तभी वह अपने छोटे अरूण बहन रंजना तथा बहनोई चंद्रेश को साथ लेकर तुरन्त धर्मेन्द्र के किराये के मकान में पहुंचा तो देखा कि धर्मेन्द्र गेट के बाहर खड़ा है और जालीनुमा दरवाजा बन्द है। उसने धर्मेन्द्र से कहा कि पूजा कहां है। धर्मेन्द्र ने कहा कि कमरे के अन्दर है तो चिल्लाते हुए गेट खोल तभी धर्मेन्द्र ने टूटी हुई जाली से हाथ डालकर तुरन्त गेट खोल दिया। अन्दर जाते ही उसने देखा कि उसकी बहन पूजा के गले में बैडशीट की चादर बंधी थी और वह पंखे से लटकी हुई थी। उस वक्त तक पूजा की सांसें चल रही थी। उसने तुरन्त पूजा को अपनी बहन रंजना व भाई अरूण की मदद से पखें से उतारा तथा दून जिला चिकित्सालय लेकर गये। जहां दौराने इलाज उसकी मृत्यु हो गयी। धर्मेन्द्र शर्मा ने उसकी बहन को मारकर जानबूझकर एक षडयंत्र के तहत हत्या की है। उसको धर्मेन्द्र के पडौसी सुमन शाह, फिरोज खान ने बताया कि धर्मेन्द्र अक्सर पूजा उर्फ ललतेश को काली कलूटी तथा नीच जाति चमारी कहकर मारता पीटता था तथा मनी शर्मा को भी मारता पीटता था। अक्सर धर्मेन्द्र शर्मा के पिता सर्वेश शर्मा तथा भाई सुशील व दीपक कमरे पर आते जाते थे और सभी लोग पूजा उर्फ ललतेश के साथ बुरा व्यवहार करते थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चीन की हरकतों से भारत सतर्क रहे

अरूण शर्मा

चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक ओर वह अपने गिरती अर्थव्यवस्था के बावजूद अपने रक्षा बजट में इजाफा करता जा रहा है। तो दूसरी ओर भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाने की बजाय उलझाने की फितरत में रहता है। इस बार तो उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अरुणाचल के दौरे पर आपत्ति जताकर हद ही कर दी। उसका दावा है कि यह इलाका विवादित क्षेत्र है। उसकी तिलमिलाहट तो तब और ज्यादा बढ़ गई जब अमेरिका ने भी अरुणाचल को भारत का भू-भाग बताया। इस पर चीन ने अमेरिकी मान्यता पर आपत्ति जताते हुए कहा कि भारत और चीन के बीच सीमा विवाद के मुद्दे से अमेरिका का कोई लेना-देना नहीं है। उलटे उसने अमेरिका को सलाह दी कि वह अपने भू-राजनीतिक हितों को साधने के लिए दूसरे देशों के बीच विवादों को तूल न दे।

यहां बता दें कि इसी माह प्रधानमंत्री मोदी ने ईटानगर का दौरा कर 55 हजार 600 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण सेला सुरंग भी शामिल है। यह सुरंग अरुणाचल के तवांग तक संपर्क उपलब्ध कराएगी। इससे बारिश और बर्फ बारी समेत हर मौसम में एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) तक सैनिकों की पहुंच आसान होगी। इस सुरंग की नींव 2019 में रखी गई थी। चार साल की अवधि में इसके निर्माण पर 825 करोड़ की लागत आई है। सिर्फ यही नहीं मोदी ने पूर्वोत्तर राज्यों को दक्षिण एशिया और पूर्वी एशिया के बीच व्यापार, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी भी बताया। इसके सतत विकास को जारी रखने के कार्यों को मोदी की गारंटी से भी जोड़ा। इसके बाद चीन की ओर से मोदी की यात्रा को लेकर आपत्ति जताई गई थी। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने उसकी आपत्ति को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि अरुणाचल भारत का हिस्सा है और सदैव रहेगा। इस क्रम में अमेरिकी विदेश विभाग के प्रमुख प्रवक्ता वेदांत पटेल ने बयान जारी किया था कि अमेरिका अरुणाचल को भारत का हिस्सा मानता है। यहां किसी भी तरह की घुसपैठ गलत है और हम वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास सैन्य नागरिक घुसपैठ से किसी क्षेत्र पर होने वाले दावों को एकतरफा मानते हैं।

आश्चर्य तो यह है कि चीन ने अरुणाचल के दो भूमि क्षेत्रों, दो रिहायशी इलाकों, दो नदियों और पांच पर्वतीय चोटियों के नए नामों की बाकायदा एक सूची भी जारी की है। वर्ष 2017 में इस क्षेत्र के छह नामों और वर्ष 2021 में 15 स्थानों और राज्य का नाम भी अलग दे दिया है। उसे वह तिब्बत का दक्षिणी हिस्सा बताने हुए उस पर अपने हक का दावा करता है। चीन ने तिब्बत को कभी स्वतंत्र देश नहीं माना है। वर्ष 1950 में उसने तिब्बत को अपने इलाके में शामिल कर लिया था। वर्ष 1962 में भारत से युद्ध किया। लेकिन तवांग क्षेत्र से वह पीछे हट गया था।

हाल ही चीन ने अपने वार्षिक बजट (2024-25) में रक्षा मद में 7.2 फीसदी बढ़ोतरी की है। कुछ वर्षों से उसका यह रवैया कोई नई बात नहीं है। लेकिन इस वृद्धि को कम भी नहीं माना जा सकता। विशेषज्ञों के अनुसार चीन रक्षा मद में जितना ज्यादा खर्च बता रहा है, वास्तविक रूप में वह कहीं ज्यादा ही होगा। कारण रक्षा से जुड़े बहुत सारे खर्च वह अन्य मदों में दिखाता है। रक्षा खर्च में इस बढ़ोतरी का निर्णय वह ऐसी स्थिति में कर रहा है जब उसकी अर्थ-व्यवस्था कठिनाई के दौर में है। इसके बावजूद उसके रक्षा बजट में बढ़ोतरी उसकी प्राथमिकता की ओर इशारा कर रही है। कहीं न कहीं इस निर्णय के पीछे इसकी आक्रामक नीति को प्रतिबिंबत करती है। इसका ताजा उदाहरण चीन सरकार की ओर से जारी वह रिपोर्ट जिसमें ताइवान के संदर्भ में शांतिपूर्ण एकीकरण का पारंपरिक वाक्यांश हटा दिया गया है। वहीं उसकी सैन्य बजट बढ़ोतरी की तुलना अमेरिका और जापान के सैन्य खर्च की बढ़ोतरी से करते हैं तो उसका तार्किक महत्व समझ में आता है। लेकिन यदि भारत के परिपेक्ष्य में गौर करें तो यह एक नई चुनौती के रूप में दिखाई देती है। चार साल पहले लद्दाख से लगती सीमा पर दोनों पक्षों के बीच हुई झड़प के बावजूद सीमा पर तनाव जारी है। विभिन्न स्तर पर हुई कई दौर की वार्ताओं के बावजूद तनाव में कोई कमी नहीं आई है।

लद्दाख और उत्तराखंड से लगती सीमा पर चीन के 50 से 60 हजार और सिक्किम व अरुणाचल से लगती सीमा पर 90 हजार सैनिक अभी भी तैनात हैं। भारत की घेरेबंदी के हर तरह के निरंतर प्रयास करता रहता है। पाकिस्तान को भारी सैन्य सहायता देकर भारत पर दोनों अंतरराष्ट्रीय सीमाओं (एलओसी और एलएसी) पर दबाव बनाए रखने की उसकी नीति अब स्थायी हिस्सा बन चुकी है।

केले का छिलका भी होता है सेहत के लिए फायदेमंद

केला एक गुणकारी फल है जो न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी होता है। इसका सेवन हृदय, मस्तिष्क, पाचन और हड्डियों आदि के रोगों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते है केला ही नहीं बल्कि इसके छिलका भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। चलिए फिर आज आपको केले के छिलके के फायदे बताते हैं जिसके बाद आप इसे फेंकने की बजाय इसका इस्तेमाल करना पसंद करेंगे।

मुंहासों से दिलाता है छुटकारा

मुंहासे त्वचा से जुड़ी एक समस्या है जिनके कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। हालांकि केले के छिलके आपकी इस परेशानी को जल्द दूर करने में मदद कर सकते हैं। एक शोध के मुताबिक, केले के छिलके में एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। ये गुण मुंहासे पैदा करने वाले कीटाणुओं को नष्ट करके त्वचा को फिर से ठीक करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए केले के छिलके को प्रभावित जगह पर रोजाना कुछ सेकेंड रगड़ें।

दांतों को चमकाने में करता है मदद

खिलखिलाती मुस्कान के लिए दांतों का साफ और सुंदर होना जरूरी है और इसके लिए आप केले के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एक शोध के अनुसार, इसमें पोटैशियम, मैग्नीशियम और मैंगनीज की अच्छी मात्रा माई जाती है जो दांतों को सफेद और चमकदार बनाने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए रोजाना टूथब्रश करने के बाद केले के छिलके को अपने दांतों पर घिसें।

दर्द से दिलाता है राहत

अगर आपको शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द है तो इससे राहत पाने के लिए भी आप केले के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक शोध के मुताबिक, केले के छिलके में दर्द निवारक और सूजन संबंधित विकारों को दूर करने के गुण मौजूद होते हैं। इसी कारण माना जाता है कि दर्द से प्रभावित जगह पर केले के छिलके को बांधने से कुछ हद तक आराम मिल सकता है।

शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में करता है मदद

केले के छिलकों का सेवन करने से शरीर अंदर से पूरी तरह से साफ हो जाता है। दरअसल, केले के छिलकों में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण शामिल होते हैं जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकाल कर शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह लिवर और किडनी को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। इसलिए अपनी डाइट में केले के छिलकों को शामिल करना अच्छा विचार हो सकता है।

ऑनलाइन शॉपिंग करने से पहले इन बातों को जरूर जान लें

ऑनलाइन शॉपिंग करते समय आप जो भी प्रोडक्ट मंगाने जा रहे हैं, उसके बारे में अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें और आश्वस्त हो कर ही मंगवाएं. कई बार फोटो को काफी आकर्षक दिखाकर कस्टमर को लुभाने का प्रयास किया जाता है. लेकिन वास्तविकता में प्रोडक्ट वैसा नहीं निकलता. इसलिए एक बार प्रोडक्ट के विवरण और रिव्यू अच्छे से देख लें.

जिस प्रोडक्ट को भी मंगवा रहे हैं, एक बार उसकी कीमत, गारंटी और वारंटी को दूसरी वेबसाइट पर भी जांच लें. इससे आपको उस प्रोडक्ट की सही कीमत का आइडिया लग जाएगा और आप ठगी का शिकार होने से बच जाएंगे.

जब भी आप प्रोडक्ट खरीदते हैं तो उसके अच्छे और बुरे दोनों तरह के रिव्यूज मिलते हैं. लेकिन आपको रिव्यूज देखते समय ये देखना है कि अच्छे रिव्यूज ज्यादा हैं, या बुरे. अगर अच्छे रिव्यूज ज्यादा हैं और कम से कम चार या साढ़े चार की रेटिंग मिली है, तो आप उस प्रोडक्ट को मंगवा सकते हैं. इसके अलावा सामान बेचने वाले विक्रेता की रेटिंग भी जरूर देखें.

डिस्काउंट दिखाकर आजकल कई छोटी वेबसाइट भी लोगों को लुभाने का प्रयास करती हैं, इसलिए सिर्फ डिस्काउंट देखकर शॉपिंग न करें. ऑनलाइन शॉपिंग में कई फ्रॉड के भी मामले आ चुके हैं. इसलिए हमेशा आधिकारिक वेबसाइट से ही शॉपिंग करें.

वायरल फीवर से राहत दिलाने में मदद कर सकती हैं ये चीजें

मौसम में बदलाव होते ही कई लोग वायरल फीवर यानि मौसमी बुखार की चपेट में आ जाते हैं। यह बुखार कई तरह के संक्रमण की वजह से होता है और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर अटैक करता है जिसकी वजह से शरीर में इंफेक्शन बहुत तेजी से बढ़ता है। हालांकि कुछ चीजों का सेवन आपको इस समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताते हैं।

धनिये की चाय का करें सेवन

वायरल फीवर से राहत दिलाने में धनिये की चाय का सेवन काफी हद तक कारगर हो सकता है। धनिये के बीज एंटीबायोटिक्स के साथ-साथ कई विटामिन्स से समृद्ध होते हैं जो वायरल संक्रमण से लड़ने की शक्ति देने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में सहायक हो सकते हैं। राहत के लिए एक गिलास पानी में एक बड़ी चम्मच धनिये के बीज डालकर इसे उबाल लें। अब इसे छानकर इसमें स्वादानुसार शहद मिलाएं और फिर इसका सेवन करें।

तुलसी का काढ़ा पीएं

तुलसी के पत्ते भी प्रभावी ढंग से वायरल फीवर से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए आधी चम्मच लौंग के पाउडर को करीब 20 साफ तुलसी के पत्तों के साथ एक लीटर पानी में डालकर उबाल लें और फिर छानकर इसका सेवन करें। वायरल फीवर होने पर इस काढ़े का हर दो या तीन घंटे पर सेवन करें। यकीनन इससे आपको काफी आराम मिलेगा।

लहसुन का करें सेवन

लहसुन एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से समृद्ध होता है जो धीरे-धीरे वायरल फीवर को खत्म करने का काम करते हैं। इसके साथ ही ये रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर करने में भी मदद करते हैं। राहत के लिए एक कप पानी में लहसुन की बारीक कटे हुई दो-तीन कलियां डालें और कुछ मिनट तक पानी को उबलने दें। अब पानी को छान लें और हल्का ठंडा होने पर चाय की तरह पीएं।

हल्दी और सौंठ का पाउडर आएगा काम

हल्दी और सौंठ, दोनों में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं जो वायरल फीवर को जल्द दूर करने में मदद कर सकते हैं।

समस्या से राहत पाने के लिए पहले एक कप गर्म पानी में एक चुटकी काली मिर्च, आधी छोटी चम्मच हल्दी का पाउडर, एक छोटी चम्मच सौंठ और थोड़ी सी चीनी मिलाएं और फिर इसे हल्का सा ठंडा करके पीएं। यकीनन वायरल फीवर से ग्रस्त व्यक्ति को इसके सेवन से काफी आराम मिलेगा।

जैव विविधता का संरक्षण भी है मधुमक्खी पालन

अशोक भगत

भारत जैव विविधता वाला देश है। दक्षिण से लेकर उत्तर तक यहां की जलवायु कई भागों में विभाजित दिखती है। पश्चिमी भारत में यदि भीषण गर्मी और शुष्कता है, तो पूर्वी भारत दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले क्षेत्र में शुमार है। वैसे तो वर्तमान विश्व जैव विविधता के संरक्षण को लेकर कोई खास संवेदनशील नहीं दिख रहा है, लेकिन हाल में ब्राजील में संपन्न आम चुनाव में जैव विविधता महत्वपूर्ण मुद्दों में शामिल था। वहां उसी पार्टी की जीत हुई, जिसने जैव विविधता के संरक्षण के लिए काम करने की बात कही। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में प्रकृति संरक्षण के साथ ही साथ जैव विविधता के संरक्षण को लेकर लोगों में जागृति देखने को मिल रही है। भारत में भी इसकी सुगबुगाहट है। ऐसे में जैव विविधता के संरक्षण को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने की जरूरत है। हमें अपने कृषि विकास नीति में भी इसे जोड़ना होगा। यदि उस दिशा में प्रयास करना है, तो प्रथम कदम के तौर पर किसानों को खेती के साथ मधुमक्खी पालन के आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण जरूरी हो जाता है। यह हमारे लिए मात्र रोजगार का साधन भर नहीं होगा, अपितु इसके माध्यम से हम अपनी जैव विविधता का संरक्षण भी कर सकते हैं। झारखंड जैसे राज्य के लिए तो यह बेहतर वैकल्पिक रोजगार का साधन उपलब्ध करा सकता है। झारखंड में विभिन्न प्रकार के पौधों के अतिरिक्त औषधीय पौधे भी बहुतायत में पाये जाते हैं, जिसके फूलों के माध्यम से आसानी से मधुमक्खी पालन हो सकता है। इससे अतिरिक्त आमदनी तो होगी ही, जैव संरक्षण को लेकर एक नया माहौल भी बनेगा।

मधुमक्खियों द्वारा जहां शहद एकत्र किया जाता है, वहीं विभिन्न पौधों में परागण के आदान-प्रदान से बीजों की संख्या में भी वृद्धि होती है, जिससे विभिन्न प्रकार के पौधे जंगलों में अपनी संख्या बनाये रखने में सक्षम होते हैं। विशेषज्ञों की मानें, तो यदि मधुमक्खियां खत्म हो जाएं, तो जीवन की संभावना की कल्पना नहीं की जा सकती। मधुमक्खी एक सामाजिक कीट है क्योंकि इसके परिवार में रानी, श्रमिक एवं नर मधुमक्खी पाये जाते हैं। मधुमक्खी से शहद निकालने एवं पालन करने की प्रथा काफी पुरानी है क्योंकि मधुमक्खियों का वर्णन सभी धार्मिक ग्रंथों, जैसे वेदों, महाभारत, बाइबल एवं कुरान, में मिलता है। शहद प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला मीठा पदार्थ है, जो निर्दोष एवं हानिरहित है। इसलिए इसे हम पृथ्वी का अमृत भी कह सकते हैं। प्राचीन काल से इसका उपयोग खाने, धार्मिक कार्यक्रमों एवं औषधीय कार्यों में किया जाता रहा है। इसका महत्व बढ़ने के कारण इसे पालने के लिए सर्वप्रथम 1789 में स्विट्जरलैंड के निवासी फ्रांसिस ह्यूबर ने बॉक्स बनाकर मधुमक्खी पालन की शुरुआत की। धीरे-धीरे इसमें कई परिवर्तन हुए, जो आज कृषि आधारित कुटीर उद्योग के रूप में उभर कर सामने आया है।

भारत की बड़ी ग्रामीण आबादी में छोटे एवं मझोले किसानों की संख्या ज्यादा है। मधुमक्खी पालन ग्रामीण गरीब, भूमिहीन मजदूर एवं ग्रामीण युवाओं के लिए स्वरोजगार एवं अतिरिक्त आय का प्रमुख साधन बन सकता है। सरल होने के कारण अशिक्षित व्यक्ति भी इसे आसानी से कर सकता है। इस व्यवसाय को 5-10 बक्सों से कम पूंजी में शुरू किया जा सकता है। यह व्यवसाय इतना प्रभावशाली है कि तीन से पांच वर्षों में कोई भी व्यक्ति 100 से 150 बक्सों का मालिक बन सकता है तथा प्रतिवर्ष लाखों रुपये की आमदनी कर सकता है। इस व्यवसाय में बिजली, इमारत या जमीन की आवश्यकता न के बराबर पड़ती है। इसके लिए कच्चे माल की भी कोई आवश्यकता नहीं होती है। इस व्यवसाय के खड़े होने से गांव के कुछ लोग मधुमक्खी पालन में काम आने वाले औजार, बक्सा, मधु निष्कासन यंत्र इत्यादि बनाकर कुटीर उद्योग खड़ा कर सकते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में नये प्रकार की रोजगार क्रांति आ सकती है। मधुमक्खी अपना भोजन, जिसमें मधु एवं पराग प्रमुख हैं, तीन किलोमीटर क्षेत्र से एकत्र करती हैं। इसका लाभ परोक्ष तौर पर फसलों को होता है।

विश्व भर में लगभग पांच करोड़ मधुमक्खी कॉलोनियां हैं। ऐसा अनुमान है कि विश्व में लगभग 14 लाख मीट्रिक टन शहद का उत्पादन होता है। कुल 15 देश इस वैश्विक उत्पादन में लगभग 90 प्रतिशत का योगदान करते हैं। चीन शहद का सबसे बड़ा उत्पादक है, जहां दुनिया के कुल उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत शहद होता है। अमेरिका, अर्जेंटीना, यूक्रेन आदि भी शहद उत्पादन में योगदान देते हैं। भारत में मुख्यत: चार प्रकार की मधुमक्खियां पायी जाती हैं। यहां लगभग 20 लाख कॉलोनियां हैं तथा वन्य मधुमक्खियों से मिलने वाले शहद को शामिल करते हुए अनुमानत: प्रति वर्ष लगभग 80,000 मीट्रिक टन शहद का उत्पादन होता है। भारत में लगभग 13,809 मधुमक्खी पालक एवं 1,84,769 कालोनियां पंजीकृत हैं। भारत के पास चीन से बड़ी जैव संपदा है। यहां शहद उत्पादन की अपार संभावना है। यदि उन संपूर्ण संभावनाओं का दोहन किया जाए, तो हमारी बड़ी आबादी को अतिरिक्त आमदनी का साधन भी उपलब्ध हो जायेगा और हम बिना किसी बड़े प्रयास के अपने जैव विविधता का संरक्षण करने में भी सफल हो पायेंगे। *(ये लेखक के निजी विचार हैं।)*

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मियों में खाएं ये फल, पेट और दिमाग दोनों रहेगा ठंडा

इस साल की शुरुआत से ही गर्मी का पारा चढ़ गया था। दोपहर के धूप ने इस महीने से ही लोगों को घर में रहने के लिए मजबूर कर दिया है। लेकिन कुछ लोगों को गर्मियों में काम के लिए बाहर निकलना पड़ता है। ऐसे में अपना खास ख्याल रखना काफी जरूरी है जिसके लिए अपने खानपान को बेहतर रखना। गर्मी के समय में कई मौसमी फल आते हैं, जो आप को गर्मी से बचा सकते हैं। ऐसे मौसम में हमे उन फलों को खाना चाहिए जो पल पानी से भरपूर हो।

गर्मियों में ताजगी और सुगंधित फलों का सेवन करना शानदार रहता है। ये फल आपको ठंडक प्रदान करते हैं और आपको गर्मियों के दौरान ठंडा और ताजगी देते हैं। यहाँ कुछ ऐसे फल हैं जो आप गर्मियों में खा सकते हैं। ये फल आपको गर्मियों के मौसम में ठंडक प्रदान करते हैं और स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होते हैं। गर्मियों में तरबूज, आम,और लीची ये फल गर्मियों के मौसम में बाजार में बिकने लगते हैं और इन फलों में पानी की भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए गर्मी में तरबूज का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। इन फलों में पोटेशियम भी पाया जाता है जो शरीर के लिए लाभदायक है।

संतरा- संतरा एक और सुपर फूड है जो गर्मियों के मौसम में आपको लाभ पहुंचाता है।संतरा विटामिन सी का अच्छा स्रोत होता है और गर्मियों में आपको सुगंधित और ठंडा महसूस कराता है।

पुदीना- पुदीना गर्मियों के मौसम में आपको तरोताजा महसूस करने में काफी मददगार होता है।इस मौसम में पाचन के लिए पुदीना का कोई तोड़ नहीं हैं। हालांकि पुदीना गर्मी के मौसम में आपके लिए वरदान साबित हो सकता है।

दही- दही एक ठंडा खाद्य पदार्थ है जो आपको गर्मी से बचने के लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है।ये इम्यूनिटी,पाचन और हेल्थ के साथ कई अन्य फायदे के लिए जाना जाता है। इसके सेवन गर्मियों में सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है।

नारियल पानी- नारियल पानी में पोटेशियम,मैग्नीशियम और सोडियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट पाये जाते हैं। यह शरीर को हाइड्रेट रखने में काफी मदद करते है।इसलिए नारियल पानी को गर्मियों के मौसम में शरीर के लिए फायदेमंद माना जाता है।

खीरा- खीरा में गर्मियों के मौसम के लिए हीरा माना जाता है क्योंकि इसमें पानी की मात्रा अधिक होता है। पानी अधिक होने के साथ-साथ इसमें कैलोरी की मात्रा भी बहुत कम होता है।जो शरीर के तापमान को संतुलित रखने में काफी मदद करता है। (आरएनएस)

इन घरेलू चीजों से करें एलईडी स्क्रीन की सफाई

अपनी एलईडी स्क्रीन को साफ और चमकदार रखने के लिए आप कुछ आसान घरेलू चीजों का उपयोग कर सकते हैं। ये तरीके सबसे सेफ और आसान हैं। अपनी एलईडी स्क्रीन को साफ और चमकदार रखने के लिए आप कुछ आसान घरेलू चीजों का उपयोग कर सकते हैं। ये तरीके सबसे सेफ और आसान हैं।

माइक्रोफाइबर कपड़ा - सबसे पहले, माइक्रोफाइबर कपड़ा लें। यह कपड़ा नाजुक स्क्रीन के लिए सबसे अच्छा होता है क्योंकि यह खरोंच नहीं करता। स्क्रीन पर जमी धूल को हल्के हाथों से पोंछ लें।

डिस्टिल्ड वाटर - डिस्टिल्ड वाटर का इस्तेमाल करें। थोड़ा पानी एक स्प्रे बोतल में डालें और कपड़े पर हल्का सा स्प्रे करें। ध्यान रखें, कपड़ा बहुत गीला नहीं होना चाहिए। अब इस गीले कपड़े से स्क्रीन को हल्के हाथों से साफ करें।

कभी-कभी स्क्रीन के छोटे-छोटे कोनों में धूल जम जाती है। इसे हटाने के लिए सॉफ्ट ब्रश का इस्तेमाल करें। यह ब्रश धूल को अच्छी तरह से निकाल देगा, स्क्रीन साफ करते समय कभी भी हार्ड केमिकल का इस्तेमाल न करें। सूखे या खुरदुरे कपड़े से सफाई न करें, इससे स्क्रीन पर स्क्रैच आ सकते हैं। बहुत ज्यादा पानी का उपयोग भी न करें, पानी अंदर जा सकता है और डिवाइस को नुकसान पहुंचा सकता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 94

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

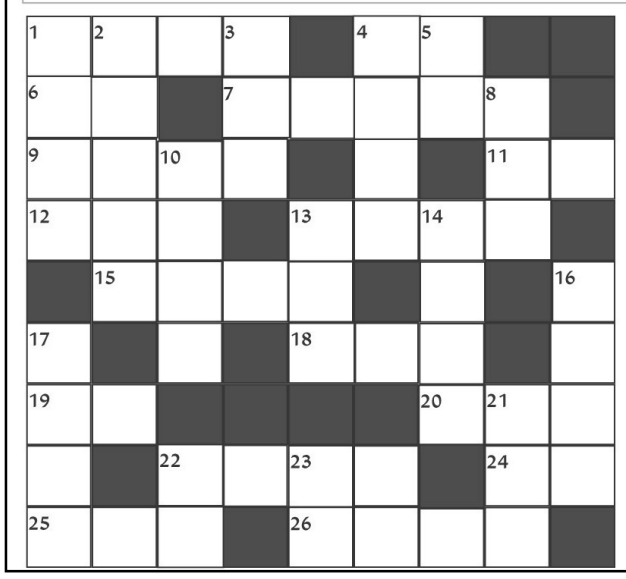

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 93 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

इश्क विश्क रिबाउंड 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

आखिरकार फैंस का इंतजार खत्म हुआ और मेकर्स ने मोस्ट अवेटेड इश्क विश्क रिबाउंड का टीजर पिछले दिनों रिलीज कर दिया है. जो सभी को रोमांस, दोस्ती, धोखा और भरपूर एंटरटेनमेंट के साथ कॉलेज के दिनों की याद दिलाता है. इसकी स्टारकास्ट में रोहित सराफ, पश्मीना रोशन, जिबरान खान और नैला ग्रेवाल लीड रोल प्ले कर रहे हैं. यह फिल्म 21 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है.

इश्क विश्क रिबाउंड 2003 की हिट इश्क विश्क का सीक्वल है, जो शाहिद कपूर और अमृता राव की पहली बॉलीवुड फिल्म थी, जिसने उन्हें स्टारडम तक पहुंचाया. अपनी खूबसूरत लव स्टोरी के लिए मशहूर यह फिल्म लाखों लोगों को पसंद आई. लगभग दो दशकों के बाद इसका सीक्वल रिलीज होने जा रहा है. जिसमें ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन समेत जेन जेड एक्टर्स लीड रोल में हैं. जिसमें रोहित सराफ, जिबरान खान और नैला ग्रेवाल शामिल हैं.

इस फिल्म में ऋतिक रोशन रोशन की बहन पश्मीना रोशन और जिबरान खान के बीच रोमांस देखने को मिल सकता है. आपको बता दें कि जिबरान खान वहीं हैं जिन्होंने फिल्म कभी खुशी कभी गम में शाहरुख खान के बेटे का रोल प्ले किया था. उनके अलावा इसमें रोहित सराफ और नैला ग्रेवाल भी लीड रोल में हैं. यह फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

अल्लू सिरीश का बडी का पहला एकल आ पिल्ला कनुले गाना रिलीज़

अल्लू सिरीश की नवीनतम फिल्म, बडी में नायिका के रूप में गायत्री भारद्वाज हैं। फिल्म का निर्माण केई ज्ञानवेल राजा और अधाना ज्ञानवेल राजा ने स्टूडियो ग्रीन फिल्म्स के बैनर तले किया है, जबकि निर्देशक सैम एंटोन हैं। नेहा ज्ञानवेल राजा सह-निर्माता के रूप में काम कर रही हैं।

फिल्म का पहला एकल, जिसे एक युवा प्रेम मनोरंजन के रूप में पेश किया गया है, का आज अनावरण किया गया। निर्माताओं ने आज आ पिल्ला कनुले शीर्षक से एक धमाकेदार पेप्पी मेलोडी के साथ बडी का म्यूजिकल प्रमोशन शुरू किया। प्रशंसित संगीत निर्देशक हिप हॉप तमीज़हा द्वारा रचित, यह गीत अपनी मनमोहक धुनों और आकर्षक गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देता है, जो किसी अन्य की तरह एक संगीतमय यात्रा का वादा करता है। इस गाने को हिप हॉप तमीज़हा, संजीत हेगड़े, ऐरा और विष्णु प्रिया की मंत्रमुग्ध आवाज़ों ने गाया है। खूबसूरत गायत्री भारद्वाज और स्टाइलिश अल्लू सिरीश शानदार लुक से प्रभावित करते हैं। यह गाना निश्चित रूप से हर किसी की प्लेलिस्ट पर राज करेगा। बडी किसी अन्य फिल्म की तरह एक सिनेमाई असाधारण फिल्म होने का वादा करती है। यह फिल्म एक फंतासी-आधारित मनोरंजन फिल्म के रूप में प्रचारित की गई। बडी की शूटिंग अब पूरी होने के साथ, फिल्म एक भव्य नाटकीय रिलीज के लिए तैयार है, जिसकी आधिकारिक रिलीज की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। (आरएनएस)

जुबली टॉकीज में अपने किरदार के अटूट समर्पण से प्रभावित हैं खुशी दुबे

एक्ट्रेस खुशी दुबे अपकमिंग शो जुबली टॉकीज- शोहरत.शिद्दत.मोहब्बत में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार शिवांगी सावंत के बारे में खुलासा करते हुए कहा कि वह उसके अटूट समर्पण से प्रभावित हुईं। आशिकाना की एक्ट्रेस खुशी ने शिवांगी का किरदार निभाया है, जो ताकत और मजबूत इरादों वाली मॉडर्न लडक़ी है। भूमिका के बारे में बात करते हुए, खुशी ने कहा, मैं इस शो को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। जब मैंने पहली बार कहानी सुनी तो मैं हैरान रह गयी, और मुझे आशा है कि दर्शक इससे प्रभावित होंगे। संगम सिनेमा को पुनर्जीवित करने के अपने पैशन के साथ-साथ, शिवांगी की यात्रा अप्रत्याशित मोड़ों से भरी है, जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेगी।

आखिरी बार आंख मिचोली में नजर आईं एक्ट्रेस ने कहा, यह किरदार मेरे लिए एक नई चुनौती है और मैं खास तौर से शिवांगी के अपने परिवार और सपनों के प्रति उनके अटूट समर्पण से आकर्षित हुई हूं। यह शो महाराष्ट्र के एक छोटे शहर की रहने वाली शिवांगी की यात्रा को दर्शाता है। (आरएनएस)

चंदू चैंपियन फिल्म देशभक्ति से भरपूर होगी!

काफी समय से कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन के चर्चे सुनने को मिल रहे थे। अब फाइनली इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म का ट्रेलर देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ये पूरी फिल्म देशभक्ति से भरपूर होने वाली है। ऊपर से कार्तिक आर्यन का शानदार अभिनय आपको फिल्म देखने पर मजबूर कर देगा।

फिल्म का ट्रेलर देखकर लगता है कि कार्तिक आर्यन की सुपरहिट फिल्मों की लिस्ट में एक और फिल्म का नाम जुडऩे वाला है। साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन और कबीर खान के डायरेक्शन में बनी फिल्म चंदू चैंपियन का ट्रेलर रिलीज हो चुका है।

फिल्म चंदू चैंपियन का जब पहला पोस्टर रिलीज किया गया था तब से फैंस इसके ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। कार्तिक आर्यन के होमटाउन ग्वालियर में इस फिल्म का ट्रेलर धूमधाम से रिलीज किया गया है। फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन का गजब का ट्रांसफॉर्मेशन देखकर फैंस हैरान हुए थे लेकिन ट्रेलर देखने के बाद तालियां बजाएंगे।

ग्वालियर में चंदू चैंपियन का ट्रेलर लॉन्च किया गया है और इस ट्रेलर में आपको इमोशंस, एक्शन, और अब तक के सबसे बड़े वॉर सीक्वेंस की झलक देखने को मिलेगी। फिल्म में कभी हार न मानने वाले एक व्यक्ति के प्रेरणादायक सफर की कहानी दिखाई गई है। ट्रेलर में आपको चंदू चैंपियन की सोच से बड़ी दुनिया की बड़ी सीख देता है। इसमें एक सैनिक, बॉक्सर और रीटलर के रूप में कार्तिक आर्यन का जबरदस्त ट्रांसफर्नेशन देखने को मिलता है। साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान ने मिलकर चंदू चैंपियन को प्रोड्यूस किया है और ये फिल्म 14 जून 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह दर्शकों के लिए एक ना भूलने वाली कहानी होने जा रही है। तो एक ऐसी दुनिया की यात्रा के लिए तैयार हो जाइए जहां बहादुरी, दृढ़ संकल्प और उत्साह एक साथ मिलते हैं। (आरएनएस)

कल्कि 2898 एडी के नए किरदार का खुलासा

कल्कि 2898 एडी 2024 में रिलीज होने वाली सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है और इसने दर्शकों के बीच काफी उत्साह पैदा किया है। फिल्म में शानदार स्टार कास्ट है और यह अब तक बनी सबसे महंगी भारतीय फिल्मों में से एक है। अब कल्कि 2898 एडी के निर्माताओं ने फिल्म से एक नया किरदार पेश किया है। साथ ही प्रभास के किरदार भैरव की एक नई झलक पेश की है।

निर्माताओं ने वीडियो साझा करते हुए नए किरदार का परिचय दिया। वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, पेश है फ्रॉम स्क्रैच एपिसोड 4- बिल्डिंग सुपरस्टार बुज्जी कल्कि 2898 एडी से। वीडियो में बुज्जी नामक एक विशेष कार के निर्माण को दिखाया गया है। कीर्ति सुरेश ने इस विशेष वाहन को अपनी आवाज दी है। नाग अश्विन ने बताया कि बुज्जी का शरीर मानव शरीर की तरह ही मस्तिष्क द्वारा नियंत्रित होता है। फिर दर्शकों को कार के निर्माण की झलकियां दिखाई जाती हैं।

बुज्जी प्रभास के किरदार भैरव का दोस्त है। टीम ने बताया कि इस विशेष उपकरण को बनाने में कितनी मेहनत लगी है। साथ ही टीम को समय सीमा पूरी न कर पाने के लिए खुद का मजाक उड़ाते हुए भी देखा गया। कीर्ति सुरेश की आवाज और उनकी डायलॉग टाइमिंग बुज्जी के किरदार को काफी दिलचस्प बनाती है। अंत में प्रभास कहते हैं कि बुज्जी का समय शुरू हो गया है।

यह एक रोबॉट की तरह होगा। प्रभास भी इस सुपरकार को बनाने में जुटे हुए हैं। बुज्जी कहता है कि उन्हें भी शरीर चाहिए, ताकि वे चल सके। भैरव उसे बताता है कि कार तैयार हो गई है, जिसे देखने के लिए बुज्जी उत्साहित है। भैरव कार से पर्दा हटाता है, लेकिन कार की झलक देखने के लिए फैंस को इंतजार करना होगा। कार का बड़ा खुलासा एक भव्य कार्यक्रम में होगा, जो 22 मई को आयोजित किया जाएगा। कल्कि 2898 एडी एक साइंस फिक्शन फिल्म है, जो हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित है। फिल्म नाग अश्विन द्वारा लिखित और निर्देशित है। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित यह फिल्म भारत की सबसे महंगी फिल्म मानी जा रही है। फिल्म के डायलॉग साई माधव बुर्रा ने लिखे हैं। संगीतकार संतोष नारायणन, छायाकार जोर्डजे स्टोजिलजकोविक और संपादक कोटागिरी वेंकटेश्वर राव तकनीकी टीम का हिस्सा हैं। वहीं, फिल्म के कलाकारों की बात करें तो नाग अश्विन द्वारा निर्देशित साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी प्रभास के साथ में कमल हासन, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, दिशा पटनी और कई अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 27 जून को रिलीज होगी। (आरएनएस)

मॉरिशस : भारत से हजारों किमी दूर एक भारत

अशोक शर्मा

मकर रेखा पर स्थित मॉरीशस को 'हिंद महासागर का मोती' कहा जाता है। प्रसिद्ध अमेरिकी साहित्यकार मार्क ट्वेन ने कहा था, 'ईश्वर ने पहले यह देश बनाया और फिर उसमें से स्वर्ग की रचना की।' भारतीय मूल के सर शिवसागर रामगुलाम ने औपनिवेशिक शासन से मॉरीशस को आजादी दिलाने के प्रयासों की अगुआई की थी। आज भी वहां हिंदी और भोजपुरी का प्रचलन देखकर भारतीय मिट्टी की महक महसूस की जा सकती है। मॉरिशस से हाल ही में लौटा हूं।

वहां 'अंतरराष्ट्रीय भोजपुरी महोत्सव' था, जिसका उद्घाटन मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ और समापन राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन ने किया। अस्सी साल की उम्र में विश्वभर से भोजपुरिया प्रतिनिधियों को इकट्ठा कर महोत्सव का सफलतापूर्वक आयोजन कर लेना डॉ सरिता बुधू जैसे कर्मठ भोजपुरी प्रेमी के ही बस की बात है। मॉरिशस सरकार के कला और संस्कृति विरासत मंत्रालय के तत्वावधान में छह से आठ मई तक हुए इस महोत्सव में सत्रह सत्रों में बंटे एकेडेमिक सत्र कई विद्वानों ने हिस्सा लिया तथा कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। अगला भोजपुरी महोत्सव गोरखपुर व बनारस में करने की घोषणा भी हुई।

वर्ष 2019 में बनारस में हुए प्रवासी सम्मेलन में प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ ने इस महोत्सव के लिए घोषणा की थी, जो कोविड की वजह से टलते-टलते 2024 में संभव हो पाया। पहली बार किसी देश की सरकार ने भोजपुरी महोत्सव का आयोजन किया है। इससे पहले नवंबर 2014 में मैं मॉरिशस गया था। उस साल तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज भी गयी थीं। दो नवंबर को मॉरीशस में अप्रवासी दिवस मनाया जाता है क्योंकि करीब 190 साल पहले 1834 में इसी दिन एटलस नाम का जहाज भारतीय मजदूरों को लेकर मॉरिशस पहुंचा था। इन लोगों में ज्यादातर लोग उत्तर प्रदेश और बिहार के थे, जिन्हें गिरमिटिया कहा जाता है।

गिरमिट शब्द 'एग्रीमेंट' का बिगड़ा हुआ रूप है। भोजपुरी में अपने एक लेख

मैंने लिखा था- 'अंगरेजवा इहे नू कहले रहलह्य सन कि सोना मिली, त सोना लेखा अपना मेहरारू आ बाल-बच्चा के छोड़ के लोगबाग चल दीहल। अंगरेजवा इहो कहले रहलह्य सन कि गंगा सागर पार करे के बा आ हिंद महासागर हेला देलन स अंगरेजवा गिरमिटिया लोग के तोड़ह्य सन आ गिरमिटिया लोग पत्थर तूड़े। पत्थर सोना भइल आ मॉरिशस सोना के देशज्धरती के स्वर्ग।'

भारत और मॉरिशस के बीच सिर्फ हिंद महासागर की दूरी का अंतर है। करीब छह हजार किलोमीटर की दूरी, बाकी यहां के किसी गांव में चले जाइए, आपको लगेगा कि आप भारत के आरा, बलिया, छपरा या आजमगढ़ के किसी गांव में हैं। सिर्फ फ्रेंच या क्रियोल के शब्द कान में पड़ने से हम उनसे खुद को अलग नहीं कर सकते। मेरा जन्म बिहार के सिवान जिले में हुआ है, रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तर प्रदेश) में पला-बढ़ा हूं, लेकिन मॉरिशस मुझे तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक या असम से ज्यादा अपना लगता है। क्योंकि हमारी भाषा एक है, संस्कृति और संस्कार एक हैं। भाषा भौगोलिक दूरी मिटा देती है। जगजाहिर है कि मॉरिशस की दो-तिहाई से भी ज्यादा आबादी भोजपुरी बोलती है।

मॉरिशस में सनातन है, इसलिए परंपरा बची हुई है, भारत बचा हुआ है। वैसे सच कहूं, तो मॉरिशस ईस्ट और वेस्ट यानी पूरब और पश्चिम का मिलन केंद्र है। यहां साड़ी में लिपटी महिला दिखती है, तो अत्याधुनिक लिबास में बिंदास युवती भी, और मजे की बात यह कि किसी से किसी को कोई दिक्कत नहीं है। सनातन, पूजा-पाठ, मंदिर, रामायण, महावीरी झंडा, हनुमान जी, रामजी, शिवजी मॉरिशस में रचे-बसे हैं। इसलिए भारतीय आचार्यों की यहां बहुत पूछ है, आदर है। यहां रामायण सेंटर है। इस बार की यात्रा में उत्तर प्रदेश के आचार्य राकेश पांडेय ने वहां सारे प्रतिनिधियों का स्वागत किया। वाराणसी निवासी आचार्य रवींद्र त्रिपाठी भी अपनी पत्नी अम्बिका त्रिपाठी के साथ स्वागत-सम्मान में खड़े मिले।

यहां गीत-गवाई अपने खांटी भोजपुरी तेवर में है।

छोटे से इस टापू वाले देश में डेढ़ सौ से ज्यादा गीत-गवाई स्कूल है। गीत-गवाई संस्था को यूनेस्को ने मान्यता दी है और हेरिटेज सूची में शामिल किया है। मॉरिशस सरकार ने भोजपुरी को मान्यता दी है, भले वह भारत में उपेक्षित है और आठवीं अनुसूची में शामिल करने का संघर्ष जारी है। मॉरिशस के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भोजपुरी बोलते हैं, भोजपुरी कार्यक्रमों में रुचि लेते हैं और उद्घाटन एवं समापन करते हैं।

यही वजह है कि 190 साल के बाद भी ग्लोबलाइजेशन के दबाव और अवरोध के बाद भी मॉरिशस में हम अपनी जड़ों से जुड़े हैं और विरासत को बचा कर रखे हैं। लेकिन यह भी एक सच है कि ऐसे अनुष्ठान में सरिता बुधू जैसे लोगों को अपना पूरा जीवन देना पड़ता है। अपने पुरखों के संघर्ष और उनकी विजय गाथा पर अपने एक गीत के अंश के साथ अपनी बात खत्म करता हूं- 'हम तो मेहनत को ही हथियार बना लेते हैं/ अपना हंसता हुआ संसार बना लेते हैं/ मॉरिशस, फीजी, गुयाना कहीं भी देखो तुम/ हम जहां जाते हैं सरकार बना लेते हैं।'

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सू- दोकू क्र. 94

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.93का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आगामी एक वर्ष में आर्थिक सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य बेहतर होगा

भारत समेत दुनियाभर में नयी पीढ़ी को ऐसे संसाधन मिले हैं, वे पहले की पीढ़ियों को उपलब्ध नहीं थे। पर किशोरों और युवाओं को ऐसी चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है, जो बिल्कुल नयी हैं। जलवायु परिवर्तन एक ऐसी ही गंभीर समस्या है। इसके अलावा शिक्षा एवं कौशल, रोजगार, यौन शोषण, स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति से संबंधित चिंताएं भी हैं, जिनसे हर पीढ़ी को जूझना पड़ता है। संतोषजनक बात यह है कि नयी पीढ़ी समस्याओं से परिचित भी है और उनके समाधान के लिए प्रेरित भी। डेलॉयट के जेन-जी और मिलेनियल पीढ़ी के ताजा सर्वेक्षण से यही संकेत निकलते हैं। आम तौर पर 1981 और 1996 के बीच जन्मे लोगों को मिलेनियल या जेन-वाई तथा उसके बाद की पीढ़ी को जेन-जी (जेड) की संज्ञा दी जाती है। इन दो पीढ़ियों के अंतर्गत वर्तमान के सभी किशोर और युवा आ जाते हैं।

इस सर्वेक्षण में 44 देशों के लगभग 23 हजार लोगों की राय ली गयी, जिनमें से करीब आठ सौ भारतीय हैं। आबादी के अनुपात में सर्वेक्षण का यह आंकड़ा बहुत कम है, पर इससे नयी पीढ़ी के सोच का एक आकलन अवश्य मिलता है। अक्सर ऐसे सर्वेक्षण शहरी क्षेत्र के उच्च और उच्च मध्यम आय वर्ग तक सीमित रहते हैं। इस पहलू का ध्यान रखते हुए आज के सोशल मीडिया, सूचना तंत्र तथा आकांक्षाओं के व्यापक विस्तार के दौर में इस सर्वेक्षण को नयी पीढ़ी की राय का समुचित प्रतिबिंब माना जा सकता है। भारतीय जेन-जी पीढ़ी की चिंताओं के केंद्र में शिक्षा, कौशल एवं प्रशिक्षण, रोजगार, जलवायु परिवर्तन, यौन शोषण और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषय हैं। मिलेनियल पीढ़ी भी कमोबेश इन्हीं विषयों को महत्वपूर्ण मानती है।

एक उत्साहजनक तथ्य यह सामने आया है कि दोनों पीढ़ियों में अधिकतर लोगों को उम्मीद है कि आगामी एक वर्ष में आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य बेहतर होगा। युवा पीढ़ी अपनी पूर्ववर्ती पीढ़ियों की तरह रोजगार को केवल आमदनी का जरिया नहीं मानती है, बल्कि उसके लिए अपने काम से संतोष मिलना और काम का उद्देश्यपरक होना भी महत्वपूर्ण है। यह पीढ़ी यह भी चाहती है कि उसके काम से पर्यावरण पर कम-से-कम नकारात्मक असर पड़े। हालांकि वैश्विक स्तर पर इन दोनों पीढ़ियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर हिचक का भाव है, पर भारतीय युवा इस तकनीकी विशिष्टता को अपनाने के लिए उत्सुक है। हमारी सरकारों, उद्योग जगत, शिक्षण संस्थानों तथा समाज को नयी पीढ़ी द्वारा इस सर्वेक्षण में अभिव्यक्त आकांक्षाओं एवं आशंकाओं का समुचित संज्ञान लेना चाहिए। (आरएनएस)

सिगरेट का है वेट से गहरा कनेक्शन?

सिगरेट छोडने़ के बाद अगर अचानक से वजन बढ़ रहा है तो सावधान हो जाइए। एक रिसर्च में स्मोकिंग और मोटापे के बीच संबंध बताया गया है। इस स्टडी के अनुसार, शोधकर्ताओं ने पाया कि स्मोकिंग करने वालों में धूम्रपान न करने वालों की तुलना में कम खाते हैं। उनका खानपान कम पौष्टिक होता है। जिसकी वजह से छोडने़ के बाद उनका वजन तेजी से बढ़ जाता है।

लाफबरो यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ लीसेस्टर के रिसर्चर ने इस अध्ययन में यूनाइटेड किंगडम के 80 हजार से ज्यादा वयस्कों को शामिल किया गया। यूरोपियन कांग्रेस ऑन ओबेसिटी में इस स्टडी को प्रजेंट किया गया।

सिगरेट छोडने़ के बाद क्यों बढ़ता है वजन

धूम्रपान करने वालों का वजन और बॉडी मास इंडेक्स धूम्रपान न करने वालों की तुलना में कम होता है। स्कोमिंग की आदतें छोडने़ के बाद वजन बढ़ जाता है। स्टडी में पाया गया कि धूम्रपान करने वाले सिगरेट का यूज भूख और वजन कंट्रोल करने के लिए करते हैं। तंबाकू में निकोटीन पाया जाता है, जो भूख को दबा सकता है। शोधकर्ताओं ने 2004 से लेकर 2022 तक 18 साल या उससे ज्यादा उम्र के 83 हजार वयस्कों के डेटा को एनालिसिस किया। रिजल्ट में पाया गया कि धूम्रपान करने वाले गैर-धूम्रपान की तुलना में दोगुना भोजन छोड़ते हैं। लंबे समय तक बिना खाए रहने से उन्हें कई दिक्कतें होती हैं।

क्या है सिगरेट छोडने़का इफेक्ट

इस स्टड़ी में पाया गया कि धूम्रपान करने वाले स्मोकिंग से दूर करने वालों की तुलना में दोगुना खाना छोड़ रहे थे। तीन घंटे से ज्यादा समय तक बिना खाए रहने की आशंका 50 प्रतिशत से भी ज्यादा होती थी। उनके नाश्ता करने की संभावना 35 प्रतिशत कम थी। सबसे जरूरी बात कि वे लोग खाने के बीच मीठा खाना कम रखते हैं लेकिन तला हुआ खाना ज्यादा खाते थे। इसके अलावा खाने में नमक और चीनी मिलाने की उनकी आदत थी।

वजन बढने़ की क्या है वजह

यूके के लाफबरो यूनिवर्सिटी के मुख्य शोधकर्ता डॉ। स्कॉट विलिस ने बताया कि अध्ययन में पता चला है कि स्मोकिंग कम खाने और खराब गुणवत्ता वाली डाइट से जुड़ी है। जिसमें अक्सर तला हुआ खाना और ज्यादा नमक और खाने में नमक मिलाने की आदत थी। जिससे समझने में मदद मिली की स्मोकिंग के बाद वजन तेजी से बढ़ता है और लोग उस पर ज्यादा ध्यान देते हैं। (आरएनएस)

जेल से छूटकर फिर की दिन दहाड़े चोरी, साथियों सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 7 दिन पहले ही जेल से बाहर आए चोर ने अपने साथियों सहित दिन दहाड़े चोरी की घटना को अंजाम दिया। मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने उक्त चोर सहित उसके साथियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चुराया गया माल भी बरामद कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती 28 मई को थाना श्यामपुर में ज्योति वर्मा निवासी ग्राम गाजीवाली मुकदमा दर्ज कराया गया था कि उसके घर में दिन दहाड़े अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आज एक सूचना के आधार पर तिरछा पुल कांगडी के पास चण्डीघाट से नहर पटरी पर आ रही बाइक सवार तीन लोगों को रोका गया तो वह पीछे मुडकर भागने लगे जिससे इनकी मोटरसाइकिल गिर गयी और तीनो को मौके पर पकड लिया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम पता दानिश पुत्र जिन्दा हसन निवासी ग्राम खाद गोदाम के पास कटारपुर थाना पथरी जिला हरिद्वार उम्र-24 वर्ष, जावेद पुत्र अबरार निवासी ग्राम खाद गोदाम के पास कटारपुर थाना पथरी जिला हरिद्वार उम्र-22 वर्ष और सोएब पुत्र मकसूद निवासी ग्राम भिक्कमपुर थाना लक्सर जिला हरिद्वार उम्र-23 वर्ष बताया। जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का सारा माल बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार दानिश शातिर किस्म का चोर है जो अभी सात दिन पहले ही जमानत पर छूटा था जिसके खिलाफ जिले के कई थानों में मुकदमें दर्ज है।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी होने पर पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानाकरी के अनुसार चुक्खुवाला निवासी मौहम्मद राशिद ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह रेजर्स ग्राउंड में मैच देखने गया था। उसने अपनी स्कूटी ग्राउंड के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं सेवला कला निवासी रोहित कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में आईएसबीटी के पास से अपनी स्कूटी चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलमारी का ताला तोडकर जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने अलमारी का ताला तोडकर वहां से नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एमडीडीए कालोनी डालनवाला निवासी पल्लव शर्मा ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह दोपहर दो बजे बाजार गया था। छह बजे के करीब जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर अलमारी का ताला तोडकर चोरों ने जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

धामी का दावाः देश में फिर बनेगी.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

यादव जैसे शहजादे सत्ता अपने निजी हितों को साधने और सत्ता का सुख भोगने के लिए राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 10 साल के कार्यकाल में जो विकास के काम किए हैं वह अन्य सरकारों द्वारा 70 सालों में भी नहीं किये जा सके हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में स्व निर्मित वंदे भारत ट्रेन दौड़ रही है। सैकड़ो एक्सप्रेसवे बनाये जा चुके हैं। नए एम्स और आईआईएम तथा अस्पताल बन रहे हैं। दर्जनों इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहे हैं। सोलर एनर्जी के जरिए देश की ऊर्जा जरूरत को पूरा किया जा रहा है। सरकार द्वारा गरीब और आम आदमी के कल्याण की अनियमित योजनाएं चलाई जा रही है। गरीबों को घर बनाकर देने से लेकर लाभार्थियों को डायरेक्ट कैश बेनिफिट की योजनाओं के जरिए उनके खातों में धन डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोग कांग्रेस के झांसे में आने वाले नहीं है। 4 जून के नतीजे आने के बाद इंडिया गठबंधन के नेता दिखाई नहीं देंगे और मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है।

उपराष्ट्रपति के नैनीताल पहुंचने पर राज्यपाल ने किया उनका स्वागत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज अपने एक दिवसीय उत्तराखण्ड भ्रमण कार्यक्रम के तहत हल्द्वानी कैंट स्थित हेलीपेड पहुंचे। जहां उनका उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह ने स्वागत व अभिवादन किया। जिसके बाद उनका काफिला कैंची धाम के लिए रवाना हुआ।

तय कार्यक्रम के अनुसार उपराष्ट्रपति दम्पत्ति सुबह सात बजे अपने दिल्ली स्थित आवास से एयरपोर्ट के लिए निकले। जिसके बाद बरेली से विशेष हेलीकाप्टर के जरिए धनखड़ दम्पत्ति हल्द्वानी में तिकोनिया के आर्मी हेलीपेड पर पहुंचे। जिसके बाद वह सड़क मार्ग से रानीबाग, भीमताल, भवाली होते हुए लगभग एक घंटा चालीस मिनट में वह कैंचीधाम पहुंचे।

आज दोनों विशेष अतिथियों का कैंचीधाम में 30 मिनट का समय आरक्षित किया गया है। दर्शनों के बाद लगभग 11 बजे वह वापस हल्द्वानी के तिकोनिया आर्मी हेलीपेड पहुंच कर पतंनगर से दिल्ली के लिए रवाना हो जायेगें।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का हेलीपेड में स्वागत करने वाले अन्य लोगों में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, एडीजी अमित सिन्हा, आयुक्त कुमांऊ दीपक रावत सहित अन्य प्रशासनिक शामिल रहे।

दो हत्यारोपी गिरफ्तार, एक फरार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। मामुली बहस के दौरान हेलमेट से पीट कर एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में पुलिस व एसओजी ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हेलमेट भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 28 मई को लीला देवी पत्नी स्व. नन्दा बल्लभ पाण्डे निवासी बमेठा बंगर केशव (नारायणपुरम गुमटी) थाना लालकुआँ (हल्दूचौड़) जनपद नैनीताल द्वारा कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया गया था कि 7 मई को उनके पुत्र संजय पाण्डे उम्र- 32 वर्ष व उसके मित्र संजय जोशी उर्फ सोनू जोशी के साथ महेन्द्र, कुन्दन व बालम नामक व्यक्तियों द्वारा हैलमेट के साथ मारपीट की गयी जिससे मारपीट के दौरान हैलमेट से आयी चोटो के कारण उनके पुत्र को उपचार हेतु भर्ती कराया गया जहाँ दौराने उपचार 13 मई को उनके पुत्र संजय पाण्डे की मृत्यु हो गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। जिनमें से दो को बीती शाम पुलिस ने गौलापार कुंवरपुर को जाने वाली मुख्य सड़क से गिरफ्तार कर लिया गया। जिनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हेलमेट भी बरामद किया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम महेन्द्र सिंह बिष्ट पुत्र भूपाल सिंह निवासी ग्राम चौसला थाना मुखानी जनपद नैनीताल व कुन्दन सिंह पुत्र श्याम सिंह निवासी मानपुर गौलापार थाना चोरगलिया जिला नैनीताल बताया। बताया कि स्कूटी टकराने पर हुई आपसी बहसबाजी में गुस्से में उनके द्वारा हेलमेट से वार किया गया था। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

चोरी की स्कूटी के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। चोरी की स्कूटी के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश्वरी विहार चन्द्रबनी निवासी रोहित कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी आईएसबीटी के निकट चन्द्रा फूड के सामने खडी की थी, जिसे वहां से किसी के द्वारा चोरी कर लिया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर एक टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल का मुआयना कर आस-पास के लोगों से घटना के सम्बन्ध में जानकारी करते हुए आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों का गहनता से अवलोकन किया गया। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के परिणाम स्वरूप पुलिस टीम द्वारा चैकिंग अभियान के दौरान घटना को अंजाम देने वाले रामवीर फर्स्वाण पुत्र दलवीर सिह को चन्द्रमणी रोड आर्मी ग्राउण्ड के पास से चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह नशे का आदी है तथा अपने नशा सम्बन्धित खर्चों की पूर्ति करने के लिये उसके द्वारा उक्त स्कूटी को आईएसबीटी स्थित चन्द्रा फूड के सामने से चोरी किया गया था। आज उक्त स्कूटी को बेचने की फिराक में था, इससे पूर्व ही दून पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एक नजर

जया शेट्टी हत्याकांड में डॉन छोटा राजन को मिली उम्रकैद की सजा

मुंबई। मुंबई के जया शेट्टी हत्याकांड में डॉन छोटा राजन के खिलाफ दोष तय हो गया। मुंबई की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने गुरुवार को अपना फैसला दिया। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामलों के विशेष न्यायाधीश एएम पाटिल ने गैंगस्टर छोटा राजन को उम्रकैद की सजा सुनाई।

जया शेट्टी एक होटल व्यवसायी थीं और वे मुंबई के गोल्डन क्राउन होटल की मालकिन थीं। छोटा राजन गैंग ने उनसे रंगदारी मांगी थी। इसके लिए गिरोह की ओर से फोन भी आए थे। जब जया शेट्टी ने रंगदारी देने से मना कर दिया तो छोटा राजन गैंग के दो सदस्यों ने होटल के अंदर गोली मारकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। छोटा राजन वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद है। वह पहली बार इंडोनेशिया के बाली एयरपोर्ट से गिरफ्तार हुआ था, जहां से उसे 2015 में भारत लाया गया था। छोटा राजन कभी दाऊद इब्राहिम का करीबी माना जाता था, लेकिन 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट के बाद दोनों अलग हो गए। बीच-बीच में दोनों गैंग के बीच हिंसक झड़पें होती रहती हैं। भारत सरकार ने साल 1994 में छोटा राजन के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। जांच एजेंसियों को उम्मीद थी कि दाऊद से अलग होने के बाद छोटा राजन डी कंपनी के बारे में जानकारी देगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद छोटा राजन ने अपना अलग गैंग बना लिया था।

राजा भैया ने की भविष्यवाणी, 'तीसरी बार, मोदी सरकार बनाने जा रहे है'

देवघर। उत्तर प्रदेश की कुंडा सीट से विधायक और जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने आखिरी चरण के चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। राजा भैया ने इस बार प्रतापगढ़ और कौशाम्बी लोकसभा सीट पर न तो अपने उम्मीदवार उतारे थे और ना ही किसी पार्टी को समर्थन दिया था। उन्होंने अपने समर्थकों को

कहा है कि वो अपनी इच्छा के मुताबिक वोट दे सकते हैं। अब उन्होंने कहा है कि तीसरी बार, मोदी सरकार बनाने जा रहे हैं। हमने लोकसभा में कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है। न ही किसी पार्टी को सपोर्ट किया है। मैंने अपने कार्यकर्ताओं को फ्री छोड़ दिया था। सब अपने मन से वोटिंग कर रहे हैं क्योंकि हम पूरे देश में नहीं घूम रहे है लेकिन इतना तो तय है कि मोदी जी, सरकार बनाने जा रहे हैं।श राजा भैया ने ये बयान देवघर में दिया था। राजा भैया भाजपा सांसद निशिकांत से मुलाकात करने पहुंचे थे। राजा भैया ने आखिरी चरण के वोटिंग से पहले ये बयान देकर साफ कर दिया है कि उनका झुकाव भाजपा के प्रति है। हालांकि कुंडा से सात बार विधायक रहे राजा भैया ने कहा था कि लोकसभा चुनाव में वह किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार का समर्थन नहीं करेंगे।

'हमारे बारह' फिल्म के कलाकारों को मिल रही हैं मौत की धमकियां !

मुंबई। एक्टर अन्नू कपूर स्टारर फिल्म 'हमारे बारह' का टीजर कुछ दिन पहले ही रिलीज हुआ है। टीजर में महिलाओं को लेकर बात की गई है। फिल्म का एक किरदार औरतों की तुलना सलवार के नाड़े से करता नजर आ रहा है। वहीं किरदार की ऐसी बातों से दर्शक भड़क उठे। फिल्म के टीजर के रिलीज होने के बाद से मूवी का विरोध किया जा रहा है। इसपर अब एक्टर अन्नू कपूर ने अपना रिएक्शन दिया है। एक मीडिया एजेंसी से बात करते हुए अन्नू कपूर ने कहा, मुझे पता नहीं कि कितनी फिल्मों को कॉन्ट्रवर्सी ने घेरा है, क्योंकि आप जानते हैं न मैं फिल्म देखता हूं, न मैं टीवी देखता हूं। फिर भी ये फिल्म विवादों के घेरे में आ गई है। नाम की वजह से। लेकिन फिल्म किसी ने देखी नहीं है और हमारे कलाकारों को

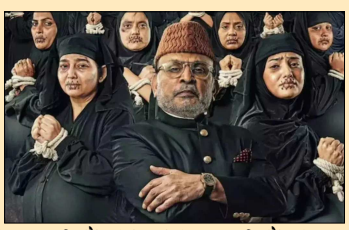

मौत की धमकियां मिल रही हैं, गालियां मिल रही हैं, निंदाएं मिल रही हैं। फिल्म देखी है नहीं जजमेंट दे रहे हैं। विरोध करने वालों को अन्नू कपूर ने कहा, भैया फिल्म देखिए। उसके बाद अपनी राय कायम कीजिएगा। खुद आका बनने की कोशिश मत करिए। ये फिल्म मदरहुड की बात करती है, ये फिल्म जनसंख्या की बात करती है। औरत किन जज्बात से गुजरती है और उसको किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है एक फैमिली के अंदर ये उसकी कहानी है। मैं ऐसा किरदार निभा रहा हूं जो अपने दीन-ओ-ईमान के ऊपर अटका हुआ है। वो उसके खिलाफ नहीं जाना चाहता है। जो लिखा हुआ उसको बदलना नहीं चाहता है। मुझे फिल्म का विलेन भी कहा जा सकता है।

मलिन बस्तियों को तोड़ने के विरोध में किया सचिवालय पर प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। मलिन बस्तियों को तोडने के विरोध में राजनैतिक दलों व सामाजिक संगठनों से जुडे सैकडों लोगों ने रैली निकाल सचिवालय का घेराव किया। जहां से उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां विभिन्न संगठनों एवं राजनैतिक दलों तथा सामाजिक संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क में एकत्र हुए। जहां से लगभग 11 बजे इन मांगों और नारों के साथ सैकड़ो कि संख्या में लोगों ने सचिवालय कूच किया। सचिवालय के समक्ष पहुंच उन्होंने जमकर प्रदर्शन कर धरना दिया। जिसके बाद जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने सरकार का ध्वस्तीकरण अभियान पर जमकर विरोध किया साथ में जनता ने मांग उठायी कि सरकार कोर्ट का आदेश का बहाना न बनाये और ध्वस्तीकरण अभियान पर रोक लगाया जाये, बिना पुनर्वास किसी को बेघर नहीं किया जायेगा, इस पर कानून लाया जाये। कानूनी प्रावध ान हो कि जब तक नियमितीकरण और पुनर्वास पूरा नहीं होता, तब तक बेदखली पर भी रोक हो, दिल्ली सरकार की पुनर्वास नीति को उत्तराखंड में भी लागू किया जाये, राज्य के शहरों में उचित संख्या के वेंडिंग जोन को घोषित किया जाये, पर्वतीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वन अधिकार कानून पर अमल युद्धस्तर पर किया जाये। बड़े बिल्डरों एवं सरकारी विभागों के अतिक्रमण पर पहले कार्यवाही की जाये और बड़ी कंपनियों को सब्सिडी देने की प्रक्रिया को बंद किया जाये, 12 घंटे का काम करने के कानून, चार नए श्रम संहिता और अन्य मजदूर विरोधी नीतियों को रद्द किया जाये; और न्यूनतम वेतन को 26,000 किया जाये। प्रदर्शन करने वालों में किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सजवान, महामंत्री गंगाधर नौटियाल, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ एस.एन. सचान, सर्वोदय मंडल से हरबीर सिंह कुशवाह, चेतना आंदोलन के शंकर गोपाल और सुनीता सीपीएम के राज्य सचिव राजेंद्र नेगी, अनंत आकाश, इंटक के प्रदेश अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट, कांग्रेस पार्टी के राज्य प्रवक्ता शीशपाल बिष्ट,एटक के राज्य महामंत्री अशोक शर्मा, उत्तराखंड महिला मंच की कमला पंत, आर.यू.पी. के नवनीत गुसाईं, सी.आई.टी.यू. के लेखराज आदि मौजूद थे।

70 लाख की ठगी में बाप बेटी पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर 70 लाख की ठगी करने के मामले में पुलिस ने बाप बेटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पैसेफिक गोल्फ स्टेट निवासी अनिल कुमार सरोहा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान राजपुर रोड निवासी उमाकांत शुक्ला व उसकी बेटी किर्ति शुक्ला से हुई। उक्त दोनों ने उसको एक जमीन बेचने का सौदा किया और सौदा तय होने पर उसने उनको 70 लाख रूपये दिये थे। लेकिन उसके बाद उन्होंने उसके नाम जमीन की रजिस्ट्री नहीं करायी और अब उसका फोन भी नहीं उठा रहे हैं। जिसको बाद उसका पता चला कि बाप बेटी ने उसके साथ ठगी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बैंक कर्मचारी बनकर ठगे 75 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। बैंक कर्मचारी बनकर 75 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिद्वार रोड निवासी मंजू कठैत रावत ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चार मार्च को उसके पास एक व्यकिा का कॉल आया जो इंडोसेंट बैंक का कर्मचारी बताकर बात कर रहा था। उसके द्वारा उसके फोन ही हैक कर लिया गया व उसके क्रेडिट कार्ड से लगभग पिचहत्तर हजार रूपये मात्र का लेन-देन कर लिया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मलिन बस्तियों के अतिक्रमण पर चलेगा हथौड़ा

❑आम आदमी की आपत्तियों का पुनर्निरीक्षण के बाद होगी कार्यवाही

विशेष संवाददाता

देहरादून। निकाय चुनाव से ऐन पूर्व एनजीटी द्वारा रिस्पना नदी के प्रवाह क्षेत्र में अतिक्रमण कर कराये गये निर्माण के ध्वस्तिकरण की कार्यवाही एक बार फिर आम लोगों की आपत्तियों के पुनर्निरीक्षण के बाद फिर शुरू की जायेगी।

उल्लेखनीय है कि एनजीटी द्वारा अवैध निर्माण को चिन्हित करने के बाद इसे हटाने के निर्देश दिये गये थे। जिसके बाद अतिक्रमण के दायरे में आये चिन्हित 525 घरों को नगर निगम प्रशासन द्वारा नोटिस जारी कर कहा गया था कि या तो वह खुद ही इस अतिक्रमण को हटा ले अन्यथा प्रशासन खुद इस अतिक्रमण को हटा देगा। नगर निगम द्वारा नोटिस जारी करने के बाद कुछ स्थानों से लोगों ने खुद भी अतिक्रमण को हटा लिया था। लेकिन जिन्होने अतिक्रमण को नहीं हटाया उनके खिलाफ नगर निगम ने ध्वस्ति करण की कार्यवाही शुरू की और लगभग 50-52 अतिक्रमण को हटाया भी गया। लेकिन इस बीच स्थानीय लोगों द्वारा नगर निगम में अनेक आपत्तियां भी इस कार्यवाही को लेकर दर्ज करायी गयी।

इन आपत्तियों के मद्देनजर नगर निगम प्रशासन द्वारा ध्वस्तिकरण की कार्यवाही को रोक दिया गया था। नगर निगम प्रयासन अब इन आपत्तियों की सत्यता की जांच करने में लगा हुआ है। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि आपत्तियों के निराकरण के बाद फिर से अतिक्रमण हटाने का काम शुरू किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस और

❑525 निर्माणों को हटाने के लिए दिये गये थे नोटिस
❑52 अतिक्रमण हटाने के बाद रोकी गयी थी कार्यवाही

यूकेडी सहित अन्य तमाम दलों के नेता भी इस प्रशासन की कार्यवाही का विरोध कर रहे है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।